कार्यालय - प्राचार्य, शासकीय रानी सूर्यमुखी देवी महाविद्यालय छुरिया
जिला - राजनांदगांव (छ.ग.)

Website - chhuriacollege.com Email chhuriacollege@gmail.com Phone&Fax – 07745 – 299273

दिनांक 18.08..2022

सद्भावना दिवस

आज दिनांक 18.08.2022 को शासकीय रानी सूर्यमुखी देवी महाविद्यालय छुरिया में प्राचार्य डॉ. सुषमा चौरे (नेताम) के दिशानिर्देशन एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ प्रभारी श्री विनय चौरे के मार्गदर्शन में एन.एस.एस. इकाई के तत्वाधान में सद्भावना दिवस कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के सभा कक्ष में रखा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुषमा चौरे (नेताम) के द्वारा माँ सरस्वती के तैलचित्र पर पूजा अर्चना के द्वारा किया गया।

संस्था सिरोमणी प्राचार्य डॉ. सुषमा चौरे (नेताम) ने अपने उद्बोधन में कहा कि पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री राजीव गांधी के जन्म दिवस 20 अगस्त को ''सद्भावना दिवस'' मनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ शासन के निर्णयानुसार 18.08.2022 को समय 04.30 बजे मनाया जा रहा है सद्भावना दिवस मनाये जाने का उद्देश्य सभी धर्मों, भाषाओं और क्षेत्रों के लोगों के बीच राष्ट्रीय एकीकरण की भावना जागृत करना और हिंसा के विचार को छोड़ते हुए लोगो के मध्य भाईचारा की भावना को बढ़ावा देना ताकि राष्ट्र निर्माण की भावना अपने हृदय में जागृत कर सभी मिलजुलकर देश के विकास मे अपनी सहयोग दे सके।

तत्पश्चात उद्बोधन की अगली कड़ी में महाविद्यालय के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ एच.एस. भाटिया ने कहा कि स्व. राजीव गांधी ने भारत का विकसित राष्ट्र बनाने का सपना देखा था। हम सभी को मिलकर संकल्प करना चाहिए की हमारें देश के विकसित राष्ट्र बनाना है हमें धर्म, भाषा और क्षेत्रों आदि किसी भी प्रकार से भेदभाव ना करके सामुहिक रुप से देश के विकास के लिए प्रयास करना चाहिए।

तत्पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुषमा चौरे (नेताम), महोदय जी द्वारा समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को सद्भावना दिवस की शपथ दिलाया गया।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त सहायक प्राध्यापक, श्री उष्यंत कुमार, श्री नरेन्द्र कुमार उमरिया, सुश्री दीपिका ध्रुवे, सुश्री प्रीतिबाला ठाकुर एवं श्री विनय चौरे और कार्यलयीन कर्मचारी, श्री ए.के. रामटेके, श्री एस.डी. सवाई, श्री टी.आर. मंडावी, श्री हेमंत कुमार साहू, श्री बी.एल. ध्रुव, श्री के. के. जांगड़े, श्री खोमेंद्र भुआर्य, बलराम, तनुजा बाई एवं ईश्वंता उपस्थित थे।

प्राचार्य